वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 191 | गुरुवार 7 नवम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

शाही लवाजमे के साथ निकली कलश यात्रा

जयपुर. कासं। विद्याधर नगर स्टेडियम में आयोजित श्री राम कथा के लिए बुधवार को अंबाबाड़ी स्थित आदर्श विद्या मंदिर स्कूल से शाही लवाजमें के साथ कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा का जगह-जगह स्वागत के साथ हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। तुलसी पीठाधीश्वर श्री रामभद्राचार्य महाराज आज से श्री राम कथा करेंगे। कथा के लिए भव्य तैयारियां की गई है। श्री बालाजी गौशाला संस्थान सालासर और विद्याधर नगर स्टेडियम आयोजन समिति के संयुक्त तत्वावधान में 7 नवंबर से 15 नवंबर तक यह कथा आयोजित होगी। आयोजन समिति के राजन शर्मा और सचिव एडवोकेट अनिल संत ने बताया कि जयपुर वासियों का परम सौभाग्य है कि तुलसी पीठाधीश्वर श्री रामभद्राचार्य महाराज जिनके रोम रोम में श्री राम बसे हैं उनके श्री मुख से श्रीराम कथा में भगवान श्री राम के मर्यादा के प्रसंग सुनने का मौका मिलेगा।

गलता तीर्थ पर छठ पूजा की तैयारियों को जिला प्रशासन ने दिया अंतिम रूप

जिला प्रशासन ने मंदिर परिसर में की नियंत्रण कक्ष की स्थापना।
मंदिर में लाइटिंग, साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त, कुंड पर तैनात किये गोताखोर

मंदिर ठिकाना गलता जी में कार्यरत समस्त स्टाफ के खाते में जमा कराया गया वेतन

जयपुर. कासं

आगामी छठ पूजा के पर्व को देखते हुए जयपुर जिला प्रशासन ने मंदिर ठिकाना गलता जी परिसर में आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने बताया कि मंदिर ठिकाना गलता जी में कार्यरत समस्त स्टाफ द्वारा उपलब्ध कराये गये बैंक खातों में वेतन जमा कराया जा चुका है। उनके बैंक खातों एसबीआई, आईसीआईसीआई, एचडीएफसी बैंक, इलाहाबाद बैंक, यूको बैंक, यूनियन बैंक, आदि बैंकों में विभिन्न बैंकों में है। जिसकी पुष्टि उनके द्वारा किये जाने पर बकाया भुगतान की राशि भी शीघ्र उनके बैंक खातों में जमा करा दी जाएगी। साथ ही, उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा छठ पूजा के लिए मंदिर परिसर में जिला प्रशासन का कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। चिकित्सा विभाग की टीमों की तैनाती की गई है। मंदिर की सजावट एवं लाइटिंग के साथ-साथ मंदिर परिसर में साफ-सफाई के लिए व्यापक स्टाफ भी लगाया जा चुका है। उन्होंने बताया कि देवस्थान विभाग द्वारा भी छठ पूजा हेतु अपने कर्मियों को लगाया जा चुका है। दर्शनार्थियों की सुविधा एवं सुरक्षा हेतु पर्याप्त मात्रा में पुलिस स्टाफ को लगाया गया है एवं सिविल डिफेन्स द्वारा कुण्डों पर गोताखोरों को तैनात किया गया है। जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा पीने के पानी की व्यवस्था भी की गई है। इन सभी व्यवस्थाओं का निरीक्षण उपखण्ड अधिकारी जयपुर प्रथम एवं उपखण्ड अधिकारी उत्तर द्वारा निरंतर किया जा रहा है।

राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ पर प्रदेशवासियों को बड़ी सौगातें

एक लाख महिलाओं को बनाएंगे लखपति दीदी

पालनहार योजना में 5 लाख बच्चों को मिलेंगे 150 करोड़ रुपये, किसानों को एग्रीस्टैक से मिलेगी डिजिटल सुविधाएं: मुख्यमंत्री शर्मा

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार 'आपणो अग्रणी राजस्थान' की दिशा में निरंतर बढ़ते हुए अपनी पहली वर्षगांठ पर प्रदेशवासियों को कई सौगातें देकर उनका सशक्तीकरण करेगी। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा नवाचार एवं कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं, महिलाओं, किसानों एवं मजदूरों सहित विभिन्न वर्गों के कल्याण के लिए दूरगामी कार्य किए जाएंगे। शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा बैठक में कहा कि दिसम्बर माह में वर्षगांठ के अवसर पर भवन एवं अन्य संनिर्माण से जुड़े 1.5 लाख श्रमिकों को 150 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की जाएगी। साथ ही, 2 हजार दिव्यांगजनों को स्कूटी वितरित की जाएगी और प्रत्येक जिले में कैम्प लगाकर 10 हजार निःशक्तजनों को सहायक सामग्री व सहायता उपकरण भी उपलब्ध कराए जाएंगे। पालनहार योजना के अंतर्गत लगभग 5 लाख बच्चों को 150 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए राज्य सरकार पहली वर्षगांठ पर प्रदेश में 1 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाएगी। इससे महिलाओं की उद्यमशीलता बढ़ेगी और वे विकसित राजस्थान के लक्ष्य में अपनी सक्रिय भागीदारी निभा सकेंगी। साथ ही, राज्य सरकार 10 हजार स्वयं सहायता समूहों को रिवॉल्विंग फंड और कम्यूनिटी इन्वेस्टमेंट फंड से आर्थिक सहायता जारी करेगी। लगभग 45 लाख स्वयं सहायता समूह सदस्यों को आर्थिक सम्बल देने के क्रम में राजसखी पोर्टल की शुरूआत भी की जाएगी। इन सभी नवाचारों एवं कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हो सकेंगे।

मन और मष्तिष्क पर नियंत्रणः योग से

योग प्राचीन भारतीय विद्या है, जो न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि मानसिक और आत्मिक शांति का मार्ग भी प्रशस्त करती है। आज की तनावपूर्ण जीवनशैली में, मन और मष्तिष्क को नियंत्रित करना अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। योग, ध्यान, और प्राणायाम जैसी योगिक क्रियाओं के माध्यम से हम अपने मन और मष्तिष्क पर बेहतर नियंत्रण पा सकते हैं।

1. योग का महत्व

योग का अर्थ है जोड़ना, अर्थात आत्मा और परमात्मा के बीच के संबंध को समझना और उसे महसूस करना। योग के विभिन्न आसनों से हम शारीरिक, मानसिक और आत्मिक संतुलन को प्राप्त करते हैं। यह केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि एक सम्पूर्ण जीवन शैली है जो शांति, सुख और संतुलन की ओर ले जाती है।

2. मन और मष्तिष्क पर नियंत्रण के लाभ

तनाव प्रबंधनः योग के नियमित अभ्यास से तनाव और चिंता को कम किया जा सकता है। श्वास नियंत्रण और ध्यान की विधियों से हम अपने मन को शांत रख सकते हैं।

ध्यान क्षमता में वृद्धिः योग और ध्यान से हमारी एकाग्रता क्षमता बढ़ती है, जिससे हम अपने कार्यों में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

भावनात्मक संतुलनः मन और मष्तिष्क पर नियंत्रण होने से हमारे विचार स्थिर रहते हैं और हम नकारात्मक विचारों को दूर रख सकते हैं।

स्वास्थ्य में सुधारः योग से रक्तचाप, दिल की धड़कन और श्वास की दर नियंत्रित होती है, जिससे शारीरिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है।

3. मन और मष्तिष्क पर नियंत्रण के लिए योगासन

-वृक्षासनः यह आसन संतुलन बढ़ाने के साथ-साथ मानसिक शक्ति को भी मजबूत करता है। यह मष्तिष्क को स्थिरता प्रदान करता है और आत्म-संयम को बढ़ावा देता है।

-पद्मासनः यह ध्यान का एक प्रमुख आसन है, जो मन को शांति और स्थिरता प्रदान करता है। इस आसन में बैठकर किया गया ध्यान, मष्तिष्क को संतुलन में रखता है।

- शवासनः शवासन से मन और मष्तिष्क को गहरी शांति और विश्राम मिलता है। यह तनाव, चिंता और मानसिक थकान को दूर करता है।

4. प्राणायाम के माध्यम से नियंत्रण

प्राणायाम का अर्थ है 'प्राणों का नियंत्रण'। यह विधि श्वासों को नियंत्रित कर शरीर और मष्तिष्क में ऊर्जा का संचार करती है।

- अनुलोम-विलोमः इस प्राणायाम से मानसिक संतुलन मिलता है। यह मष्तिष्क की दोनों भागों को समान रूप से उत्तेजित कर ध्यान और शांति को बढ़ाता है।

- भ्रामरी : यह प्राणायाम मष्तिष्क को शांति और विश्राम देने के लिए अत्यधिक उपयोगी है। इसकी गूंजती ध्वनि से मन को गहरी शांति का अनुभव होता है।

5. ध्यान और मानसिक शांति

ध्यान के माध्यम से मन को एकाग्र किया जा सकता है। इसमें विचारों को व्यवस्थित करने और उन्हें नियंत्रित करने की क्षमता होती है। ध्यान के अभ्यास से हम मानसिक तनाव को कम करते हैं और आंतरिक शांति प्राप्त करते हैं। इससे हमारी चेतना का स्तर ऊँचा उठता है और हम आध्यात्मिक मार्ग पर अग्रसर होते हैं।

6. नियमित अभ्यास का महत्व

योग और ध्यान के अभ्यास से मन और मष्तिष्क को नियंत्रित करने में सफलता मिलती है, लेकिन इसके लिए निरंतरता आवश्यक है। नियमित अभ्यास से ही हम स्थिरता और शक्ति प्राप्त कर सकते हैं। योग को अपने दैनिक जीवन में शामिल करना न केवल मानसिक शांति, बल्कि जीवन में सकारात्मकता और ऊर्जा का संचार करता है।

निष्कर्षः योग के माध्यम से मन और मष्तिष्क पर नियंत्रण पाकर हम अपने जीवन को संतुलित, स्वस्थ और सुखमय बना सकते हैं। योग हमें अपने विचारों पर नियंत्रण रखना, उन्हें सकारात्मक दिशा देना और आत्म-संयम का विकास करना सिखाता है। योग के इस मार्ग पर चलकर हम आत्मिक शांति, संतुलन और पूर्णता की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

अनिल माथुर जोधपुर (राजस्थान)

ठंड हुई पुरजोर

लगे ठिठुरने गात सब,
निकले कम्बल शाल।
सिकुड़ रहे हैं ठंड से,
हाल हुआ बेहाल।।

बाहर मत निकलो कहे,
बहुत ठंड है आज।
कान पकते सुनते हुए,
दादी की आवाज।।

जाड़ा आकर यूं खड़ा,
ठोके सौरभ ताल।
आग पकड़ने से डरे,
गीले पड़े पुआल।।

सौरभ सर्दी में हुआ,
जैसे बर्फ जमाव।
गली मुहल्ले तापते,
बैठे लोग अलाव।।

धूप लगे जब गुनगुनी,
मिले तनिक आराम।
सर्दी में करते नहीं,
हाथ पैर भी काम।।

निकलो घर से तुम यदि,
रखना बच्चों का ध्यान।
सुबह सांझ घर पर रहो,
ढककर रखना कान।।

लापरवाही मत करो,
ठंड हुई पुरजोर।
ओढ़ रजाई लेट लो,
उठिए जब हो भोर।।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

विमलप्रभा माताजी संघ पिच्छिका परिवर्तन हुआ संपन्न

पिच्छि संयम का प्रतीक है : विमल प्रभा माताजी

रामगंजमंडी

परम पूजनीय पट्ट गणिनी आर्यिका 105 विमलप्रभा माताजी संघ का संयम उपकरण पिच्छिका परिवर्तन समारोह भक्ति उल्लास के साथ संपन्न हुआ। आयोजन के क्रम में सर्वप्रथम परम पूजनीय प्रथम गणिनी आर्यिका विजय मति माताजी के चित्र का अनावरण एवम दीप प्रज्वलन किया गया। आयोजन की शुरूआत में हाटपिपल्या से आई रुचि टोंग्या ने मंगलाचरण प्रस्तुत करते हुए संगीत स्वर लहरियो के साथ पिच्छिका का वर्णन किया। समारोह का संचालन महामंत्री राजकुमार गंगवाल ने किया एवं आयोजन में संगीत की स्वर लहरियां हरीश जैन एंड पार्टी पिड़ावा ने बिखेरी। संयम के उपकरण पिच्छिका परिवर्तन समारोह में काफी उमंग एवं उल्लास देखा गया। इस अवसर पर भक्ति भाव एवं उल्लास के साथ परम पूजनीय विमल प्रभा माता जी का पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट करने का परम सौभाग्य रमेशकुमार जितेंद्र कुमार विनायका परिवार को मिला। क्षुल्लिका 105 सुमैत्रीश्री माताजी को शास्त्र भेंट एवम पुरानी पिच्छिका प्राप्त करने एवम नवीन पिच्छिका भेट करने का सौभाग्य दिलीप कुमार विनायका परिवार रामगंजमंडी को मिला।क्षुल्लिका 105 विनीतप्रभा माताजी को शास्त्र भेट, वस्त्र भेंट करने पुरानी पिच्छिका प्राप्त करने एवम नवीन पिच्छिका प्रदान करने का सौभाग्य भागचंद शर्मिला पहाड़िया परिवार को प्राप्त हुआ। आर्यिका 105 विजय प्रभा माताजी को शास्त्र भेंट, वस्त्र भेट करने के साथ पुरानी पिच्छिका प्राप्त करने का एवम नवीन पिच्छिकाप्रदान करने का सौभाग्य त्रिलोक कुमार मयंक कुमार सांवला परिवार को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर चातुर्मास में अनुकरणीय सेवा देने वालों का भी सम्मान किया गया एवं समाज के संरक्षक अजीत सेठी ने सभी के सहयोग का आभार प्रेषित करते हुए माताजी संघ से क्षमा याचना की। परम पूजनीय पट्ट गणिनी आर्यिका 105 विमलप्रभा माताजी की पुरानी पिच्छिका प्राप्त करने एवम नवीन पिच्छिका प्रदान करने का सौभाग्य अजीत कुमार राजेश कुमार सेठी परिवार को प्राप्त हुआ। सभी भक्ति भाव से नृत्य करते हुए नवीन पिच्छिका भेट करते हुए गुरु मां से पुरानी पिच्छिका प्राप्त कर रहे थे इस दौरान मंदिर परिसर का वातावरण भक्ति से ओतप्रोत रहा इस अवसर पर वर्षा योग में स्थापित किए गए मंगल कलश भी सभी को प्रदान किए गए। इस अवसर पर माताजी ने रामगंज मंडी में हुए वर्षायोग को ऐतिहासिक बताया और पिच्छिका का महत्व समझाया उन्होंने कहा कि रामगंज मंडी का चातुर्मास ऐतिहासिक एवं स्वर्णिम है। उन्होंने कहा कि तत्वज्ञान के बिना मोक्ष प्राप्त नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि आहार दान में चारों दान शामिल है। यहां के युवाओं ने भी तन मन धन से भक्ति की है। उन्होंने कहा कि संयम के बिना मुक्ति नहीं पिच्छिका संयम का प्रतीक है। घातिया कर्म को नष्ट करने के लिए ' पिच्छिका होती है। उन्होंने पिच्छिका के विषय में बताया कि यह सुकोमल होती है। और पसीना भी जल्दी सोख लेती है। जिस प्रकार साधु में मृदुता होती है उसी प्रकार यह पिच्छिका होती है। जीवन में इस प्रकार लघुता आए जिससे कषाय भाव हट जाए और इसे हटाने के लिए प्रयत्नशील रहे तप को पनपाना रत्नत्रय को पनपाना है। उन्होंने कहा कि पिच्छिका कोई मामूली चीज नहीं है यह सुदृढ़ है। और यह मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर करती है। साधु की संगति से जीवन निखरता है। इस अवसर पर सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान संरक्षक अजीत सेठी, अध्यक्ष दिलीप कुमार विनायका, उपाध्यक्ष चेतन बागड़ियां, कमल लुहाड़िया, महामंत्री राजकुमार गंगवाल द्वारा किया गया।

-अभिषेक जैन लुहाड़िया

संत नहीं पर संतोषी जरुर बनें : गुरुमां विज्ञाश्री माताजी

गुन्सी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी जिला टोंक राजस्थान की पावन धरा पर विराजमान परम पूज्य भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरुमां 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में आज की शांति धारा करने का सौभाग्य रविंद्र छाबड़ा सवाई माधोपुर सपरिवार को प्राप्त हुआ। अतिश्यकर्षी शांतिनाथ भगवान की शांतिधारा देखने हेतु कापरेन, जयपुर, कोटा, रुपनगढ़, अजमेर, देवली, निवाई, सांभरलेक, दुर्ग से भक्तगण पधारे थे। तत्पश्चात विजयलक्ष्मी जैन महावीर जी एवं बेबी जैन कोटा सपरिवार ने आर्यिका संघ की आहारचर्या करने का सौभाग्य प्राप्त किया। शराबी का शिरोमणि शांति देवी की पत्नी जयपुर सब परिवार ने पूज्य गुरु मां का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया तत्पश्चात पूज्य माताजी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहां की अखिल विश्व में अगर शांति- प्रेम- सामंजस्य का प्रचार प्रसार करना है तो प्रत्येक प्राणी को सर्वप्रथम अपने मन में संतोष धारण करना होगा। संतोष ऐसा गुण है जो मानव के सारे गुणों को बनाए रखने में मदद करता है। संतोष के विपरीत लोभ हमें गलत मार्ग पर चलाता है। इसलिए प्रत्येक प्राणी के लिए संदेश है कि अगर संत नहीं बन सकते तो संतोषी जरूर बने। पूज्य माताजी के आशीर्वाद एवं निर्देशन से सहस्त्रकूट जिनालय का भव्य निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ ट्रस्ट द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए आवास व्यवस्था, भोजनशाला की समुचित व्यवस्था की गई है।

छुट्टियां खत्म

छुट्टियां खत्म,फिर बजे टन टन ।
खिलखिलाएंगे,सूने सूने आँगन।।

जल्दी उठना, पीना खाना ।
नहाने को न बहाना बनाना ।।
सुंदर सुंदर ,बाल बनाना ।
टिफिन,बोतल,बैग लगाना ।।

स्कूल जाने को,लगाना रन रन ।
छुट्टियां खत्म,फिर बजे टन टन ।।

करना शुभ शुरूआत ।
प्रार्थनाओं ,के साथ ।।
सीखना अच्छी बात ।
अच्छों से ,मुलाकात ।।

गुनगुनाना मन से ,जन गण मन ।
छुट्टियां खत्म,फिर बजे टन टन ।।

सीखना नए तर्क ।
सीखना नए फर्क ।।
मकर और कर्क ।
स्वर्ग और नर्क ।।

करना होमवर्क,मिनटों में फोरन ।
छुट्टियां खत्म फिर बजे टन टन ।।

अर्श पर चढ़ना तुम ।
फर्श पर रहना तुम ।।
उत्कर्ष पर बढ़ना तुम ।
निष्कर्ष पर चलना तुम ।।

वतन को अर्पण,करना जीवन ।
छुट्टियां खत्म,फिर बजे टन टन ।।

कवि नवीन जैन
नव बीगोद राजस्थान

वेद ज्ञान

सच्ची मुस्कान की चमक हर रोशनी से बढ़कर

सच्ची मुस्कान की चमक हर रोशनी से बढ़कर होती है। मुस्कान न सिर्फ व्यक्ति को संपन्न बना सकती है, अपितु स्वस्थ बनाने की ताकत रखती है। आज कम आयु में ही लोग बीमार इसलिए हो जाते हैं, क्योंकि उनके जीवन में मुस्कान को छोड़कर तनाव, व्यस्तता, क्रोध और चिंता सब कुछ है। जो लोग इन सबके बीच रहकर हर समय अपने चेहरे पर मुस्कान को बनाए रखते हैं, हर कठिन परिस्थिति का सामना मुस्करा कर करते हैं, दुनिया उन्हें सलाम करती है। त्योरी चढ़ाने में व्यक्ति को अपनी बासठ मांसपेशियों का प्रयोग करना पड़ता है, जबकि मुस्कराने में केवल छब्बीस मांसपेशियों को मेहनत करनी पड़ती है। मुस्कान की कोई भाषा नहीं होती। यदि विश्व के अलग-अलग देशों के और अलग-अलग भाषा के लोग एक साथ खड़े हों तो वे अपने विचारों को मुस्कान के माध्यम से एक दूसरे तक सहजता और सरलता से पहुंचा सकते हैं। प्रकृति ने केवल मनुष्य को ही मुस्काराहट जैसा दुर्लभ वरदान दिया है। सभी प्राणी पीड़ा से रो सकते हैं, लेकिन प्रसन्नता के क्षणों में केवल मनुष्य ही खिलखिला सकता है। जब व्यक्ति खिलखिलाता है तो उसकी जीवन शक्ति में वृद्धि हो जाती है। मुस्कराहट सभी के लिए निःशुल्क है। जो व्यक्ति कष्ट और पीड़ा के समय भी मुस्कराना जानता है वह निश्चित ही बड़ी से बड़ी सफलता को भी सहजता से प्राप्त करना जानता है। वैज्ञानिक प्रयोगों से यह प्रदर्शित हो चुका है कि मुस्काराहट हृदय की मालिश करती है, रक्त संचार को प्रेरित करती है और फेफड़ों को अधिक आसानी से सांस लेने में मदद करती है। जब ये सारी क्रियाएं एक साथ होती हैं तो व्यक्ति के सुख और समृद्धि में अनायास ही वृद्धि देखने को मिलती है। चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों, बस हर हाल में मुस्कराते रहें। मुस्कराहट वह जादुई दीपक है जो हर परेशानी को अपने प्रकाश तले मिटा देता है। केवल स्वयं ही न मुस्कराएं, बल्कि अपनी मुस्कराहट से दूसरों की मुस्कराहट का भी दीपक जलाएं। ऐसा करने से मुस्कराहट का प्रकाश चारों ओर फैल जाएगा जो तिमिर को दूर भगाएगा। मुस्कराहट आध्यात्मिक भावों को हृदय में उत्पन्न करती है और मन में सद्भावनाओं को उत्पन्न कर व्यक्ति के जीवन को सार्थक करती है।

संपादकीय

जलवायु परिवर्तन पर चिंतन...

अजरबैजान की राजधानी बाकू में आगामी 11 से 22 नवंबर के बीच आयोजित होने जा रहे जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन (कॉप29) में जलवायु वित्त तथा इसके लिए राशि जुटाना वार्ताकारों के बीच प्रमुख विषय होगा। विभिन्न देश, खासकर एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देश जलवायु वित्त के मामले में करीब 800 अरब डॉलर की कमी का सामना कर रहे हैं और महामारी के कारण सार्वजनिक फंडिंग में भारी कमी आई है। ऐसे

में नीति निमार्ता और जलवायु कार्यकर्ता शिद्दत से ऐसे तरीके तलाश कर रहे हैं जिससे निजी क्षेत्र की फंडिंग जुटाई जा सके। यह बात और अधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है क्योंकि यह माना जा रहा है कि विकासशील देश, जो इस वित्त के मुख्य लाभार्थी होंगे (क्योंकि उनका विकास जीवाश्म ईंधन पर निर्भर है) और उन्हें 2030 तक 5.9 लाख करोड़ डॉलर की आवश्यकता होगी। बहरहाल, यह स्पष्ट नहीं है कि निजी वित्त इस भारी-भरकम राशि के बड़े हिस्से की भरपाई करने में शीर्ष भूमिका निभा भी पाएगा या नहीं। अब तक की बात करें तो जलवायु वित्त में निजी क्षेत्र की भागीदारी देखकर ऐसा नहीं लगता है कि हरित और ईएसजी फंड में इजाफा होने के बावजूद वर्तमान हालात में कुछ खास परिवर्तन आएगा।वर्ष 2022 तक जलवायु वित्त के क्षेत्र में जो भी फंड जुटाए गए उनमें निजी क्षेत्र की भागीदारी करीब 20 फीसदी रही। फंडिंग के इस स्रोत को बढ़ावा देने के लिए कई मोर्चों पर मौजूद चुनौतियों से निपटना होगा। जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में निजी क्षेत्र की फंडिंग का अब तक का रुझान यही बताता है कि विकासशील देशों की जोखिम अवधारणाएं और आर्थिक एवं निवेश नीतियों की दक्षता, निजी निवेशकों के निर्णयों में अहम भूमिका निभाएगा। जलवायु वित्त के क्षेत्र में निजी पूंजी का बड़ा हिस्सा यानी करीब 81 फीसदी हिस्सा जलवायु परिवर्तन को रोकने पर केंद्रित था। जलवायु परिवर्तन को अपनाने के क्षेत्र में 11 फीसदी राशि दी गई। यह विडंबना ही है कि इसका अधिकांश हिस्सा विकसित देशों को गया। महत्त्वपूर्ण बात है कि निजी क्षेत्र से आने वाली 85 फीसदी पूंजी सबसे कम जोखिम प्रोफाइल वाले विकासशील देशों पर केंद्रित रही। कम आय वाले देश जहां इस पूंजी की जरूरत अधिक थी उन्हें केवल 15 फीसदी राशि मिली। कुछ विश्लेषकों के अनुसार मुद्दे की मूल वजह है निवेश के लिए तैयार परियोजनाओं की कमी। परंतु इस परियोजना पाइपलाइन को तैयार करने में सरकारी और बहुराष्ट्रीय संस्थानों के समर्थन की अहम भूमिका होगी जिनकी मदद से जोखिम कम किया जा सकेगा और प्रतिफल और निर्गम पर नजर रखी जा सकेगी। उदाहरण के लिए भारत जैसे देशों में यह कवायद दिक्कतदेह बन जाती है क्योंकि बिजली की कीमतें तय करने के मॉडल में दीर्घकालिक ढांचागत कमियां हैं और नवीकरणीय ऊर्जा के वितरण एवं पारेषण के साथ तकनीकी दिक्कतें जुड़ी हुई हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

उ सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला कि सरकार हर निजी संपत्ति का अधिग्रहण नहीं कर सकती, केवल इसलिए ऐतिहासिक नहीं है कि यह नौ सदस्यीय संविधान पीठ की ओर से दिया गया, बल्कि इसलिए भी है, क्योंकि इसने उस समाजवादी विचार को आईना दिखाया, जिसे सरकारों की रीति-नीति का अनिवार्य अंग बनाने का दबाव रहता था। स्पष्ट है कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला उन समाजवादी और वामपंथी सोच वालों के लिए भी झटका है, जो यह माहौल बनाने में लगे हुए थे कि देश में गरीबी और असमानता तभी दूर हो सकती है, जब सरकार संपत्ति का पुनर्वितरण करने में सक्षम हो और उसे यह अधिकार मिले कि वह किसी की भी संपत्ति का अधिग्रहण कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने यह साफ कर दिया कि सरकार एक हद तक ही ऐसा कर सकती है। अपने फैसले से सुप्रीम कोर्ट ने एक तरह से यह भी रेखांकित कर दिया कि आपातकाल के समय संविधान की प्रस्तावना में सेक्युलरिज्म के साथ समाजवाद शब्द जोड़कर भारतीय शासन व्यवस्था में समाजवादी तौर-तरीके अपनाने का जो काम किया गया था, वह निरर्थक था। अच्छा हो कि इस निरर्थकता को वे लोग भी समझें, जो संपत्ति के सृजन से अधिक अहमियत उसका पुनर्वितरण करने पर देते हैं। यह देश को समृद्धि की ओर ले जाने का रास्ता नहीं है। हो भी नहीं सकता, क्योंकि दुनिया भर का अनुभव यही बताता है कि जिन देशों ने अपने लोगों की भलाई के नाम पर अतिवादी समाजवादी तौर-तरीके अपनाए, वे आर्थिक रूप से कठिनाइयों से ही घिरे। निजी संपत्ति संबंधी सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले ने करीब चार दशक पुराने उस फैसले को खारिज करने का काम किया, जिसमें कहा गया था कि सभी निजी स्वामित्व वाले संसाधनों को राज्य द्वारा अधिग्रहित किया जा सकता है। यह अच्छा हुआ कि सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट करने की आवश्यकता भी समझी कि उक्त फैसला एक विशेष आर्थिक और समाजवादी विचारधारा से प्रेरित था। उसने यह भी रेखांकित किया कि पिछले कुछ दशकों में गतिशील आर्थिक नीति अपनाने से ही भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से यह भी पता चल रहा है कि देश को किसी विशेष प्रकार के आर्थिक दर्शन के दायरे में रखना ठीक नहीं है और आर्थिक तौर-तरीके ऐसे होने चाहिए, जिनसे एक विकासशील देश के रूप में भारत उभरती चुनौतियों का सामना कर सके। उम्मीद की जानी चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से निजी संपत्ति के मामले में अब इसे लेकर कोई संशय नहीं रहेगा कि क्या समुदाय का संसाधन है और क्या नहीं? कोई भी देश हो, उसे अपना आर्थिक दर्शन देश, काल और परिस्थितियों के हिसाब से अपनाना चाहिए, न कि इस हिसाब से कि पुरानी परिपाटी क्या कहती है? समय के साथ बदलाव ही प्रगति का आधार है। यह अच्छा हुआ कि सुप्रीम कोर्ट ने इस आधार को मजबूती प्रदान की।

श्री सिद्ध चक्र का पाठ, करो दिन आठ-ठाठ से प्राणी...

समिति अध्यक्ष एम पी जैन ने बताया प्रतिदिन नित्य अभिषेक शांति धारा के साथ प्रथम दिवस प्रातः 7:30 घट यात्रा, ध्वजारोहण,मण्डप शुद्धि, इंद्र प्रतिष्ठा, जाप्या अनुष्ठान एवं अंकुरारोपण व 9 बजे सिद्ध चक्र विधान प्रारंभ। दिनांक 9 से 15 नव. को प्रतिदिन प्रातः 8:00 बजे से विधान प्रारंभ होगा।

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानसरोवर स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर में कार्तिक की अष्टानिका में आचार्य शशांक सागर महाराज ससंघ के सान्निध्य व प्रतिष्ठाचार्य पण्डित प्रद्युम्न शास्त्री के निर्देशन में नौ दिवसीय शुक्रवार दिनांक 8 नवम्बर से शनिवार 16 नवम्बर तक श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान पूजन का आयोजन किया जा रहा है। समिति अध्यक्ष एम पी जैन ने बताया प्रतिदिन नित्य अभिषेक शांति धारा के साथ प्रथम दिवस प्रातः 7:30 घट यात्रा, ध्वजारोहण,मण्डप शुद्धि, इंद्र प्रतिष्ठा, जाप्या अनुष्ठान एवं अंकुरारोपण व 9 बजे सिद्ध चक्र विधान प्रारंभ। दिनांक 9 से 15 नव. को प्रतिदिन प्रातः 8:00 बजे से विधान प्रारंभ होगा। दिनांक 16 नव. को नित्य अभिषेक के साथ विश्व शांति महायज्ञ होगा। मंत्री ज्ञान बिलाला ने बताया कि कार्यक्रम पुण्यार्जक भामाशाह निर्मल, भंवरी देवी काला, झंडारोहण कर्ता प्राचार्य डॉ शीतल चन्द जैन व दीप प्रज्ज्वलन कर्ता जय कुमार-प्रभा पाटनी चौमूं, सौधर्म इंद्र सुनील-अनीता गंगवाल, कुबेर इन्द्र राज कुमार-सुमन गंगवाल इम्फाल, यज्ञ नायक पंकज-मिनाक्षी गंगवाल, ईशान इन्द्र रोहित-आकांक्षा बेनाड़ा लालसोट, सानत कुमार इन्द्र संतोष-तारादेवी काला हिरनोदा, माहेंद्र इन्द्र विमल-उर्मिला काला फुलेरा, ब्रह्म इन्द्र बसन्त-बिना बाकलीवाल महारानी फार्म, ब्रह्मोतर इन्द्र विजय-किरण बाकलीवाल ईसरदा, आंणत इन्द्र अशोक-निर्मला बाकलीवाल दीमापुर, प्राणत इन्द्र सुमति प्रकाश-मंजू काला SFS, सतार इंद्र संजय- सोनू डाकूड़ा राणोली, शुक्र इन्द्र पंकज-कणिका गोधा, भास्करेन्द्र इंद्र सतीश-मंजु कासलीवाल, चन्देंद्र इंद्र पूरणमल-ललिता देवी अनौपड़ा, हेमलता छाबड़ा, सरोज सेठी आदि है। कार्यकम के आयोजन कर्ता श्री दिगम्बर जैन समाज समिति वरुण पथ मानसरोवर है।

रिपोर्ट : सुनील जैन गंगवाल

वर्षायोग मंगल कलशः पुण्यार्जक चक्रेश जैन के निवास पर किया स्थापित

जयपुर. शाबाश इंडिया। बरकत नगर समाज के महापुण्य के बन्ध से निरन्तरता के क्रम में पन्द्रहवा पुण्य वर्धक वर्षायोग 2024 भगवान महावीर के 2551 वे निर्वाण दिवस पर लड्डू चढ़ाने तथा वर्षायोग मंगल कलश पुण्यार्जक श्रीमती चेतना - चक्रेश कुमार जैन परिवार के निवास पर पूज्य मुनि श्री अर्चित सागर के पावन सान्निध्य में धर्मोल्लास के साथ स्थापित हुआ। प्रातः वर्षायोग स्थल णमोकार भवन से पूज्य मुनि श्री के सान्निध्य में व बेन्ड बाजे के साथ शोभा यात्रा के रूप में मंगल कलश लाया गया श्री चन्द्र प्रभ मन्दिर के दर्शन करते हुए मंगल कलश पुण्यार्जक निवास '625 श्रीफल' बरकत नगर लाकर विधी विद्यान से स्थापित कराया गया तथा समस्त स्थानीय समाज के साथ जवाहर नगर समाज के अध्यक्ष महेन्द्र बक्शी तथा श्रीमती उर्मिल बक्शी ने उपस्थित होकर पुण्यार्जक परिवार के प्रति उनके पुण्य की अनुमोदना की तथा सभी ने मुनि श्री का शुभाषीर्वाद प्राप्त किया।

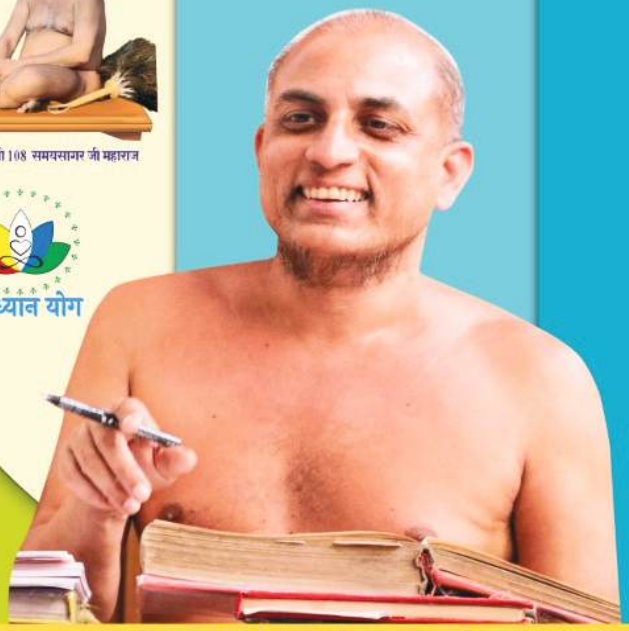

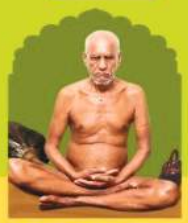

श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर,
मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
श्रीमद् जिनेन्द्र जिनबिम्ब
पंचकल्याणक
प्रतिष्ठा महामहोत्सव
दिनांक 13 नवम्बर से 17 नवम्बर 2024
स्थान : सामुदायिक केन्द्र से. 9 गोखले मार्ग, मानसरोवर
दिनांक 17 नवम्बर 2024
उपनयन संस्कार
प्रातः 8.00 बजे
भव्य पिच्छी परिवर्तन
दोपहर 1.00 बजे से
मूलनायक 1008 श्री आदिनाथ भगवान
प.पू. संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज
प.पू. आचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज
पावन सानिध्य :
अर्हं ध्यान योग
परम पूज्य मुनि श्री 108 विश्ववाक्षसागर जी महाराज
परम पूज्य क्षुल्लक श्री 105 अनुनयसागर जी महाराज
परम पूज्य क्षुल्लक श्री 105 सविनयसागर जी महाराज
परम पूज्य क्षुल्लक श्री 105 समन्वयसागर जी महाराज
अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी , अर्हं ध्यान योगप्रणेता,
मुनि श्री 108 प्रणम्यसागर जी महाराज
बुधवार, 13 नवम्बर 2024
गर्भ कल्याणक
प्रातः 6.30 बजे - देवाज्ञा, गुरु आज्ञा, आचार्य निमंत्रण, घट पूजन, घटयात्रा, जुलूस
प्रातः 7.15 बजे - ध्वजारोहण, मण्डप उद्घाटन, मण्डप शुद्धि, अभिषेक, पूजन, सकलीकरण, इन्द्र प्रतिष्ठा, मंडप प्रतिष्ठा, यागमण्डल विधान
प्रातः 9.00 बजे - पूज्य मुनिश्री की मंगल देशना
दोपहर 12.00 बजे - गर्भकल्याणक की आंतरिक क्रियायें
सायं 3.00 बजे - माता की गोद भराई
सायं 4.00 बजे - मुनिश्री का प्रवचन
सायं 6.00 बजे - आचार्य भक्ति, आरती, सोधर्म इन्द्र एवं महाराजा नाभिराय का दरबार सांस्कृतिक कार्यक्रम
गुरुवार, 14 नवम्बर 2024
जन्म कल्याणक
प्रातः 6.30 बजे - अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, यज्ञ
प्रातः 7.30 बजे - भगवान के जन्मोत्सव की बधाई, प्रथम दर्शन शचि द्वारा, सहस्र नेत्र बनाकर प्रभु दर्शन, सोधर्म इन्द्र द्वारा प्रवचन, जन्म कल्याणक जुलूस, पाण्डुक शिला पर जन्माभिषेक, तीर्थंकर बालक का शृंगार, नामकरण
सायं 6.00 बजे - आचार्य भक्ति, आरती, शास्त्र सभा सोधर्म इन्द्र द्वारा ताण्डव नृत्य, पालना झूलना और बाल क्रीड़ा
शुक्रवार, 15 नवम्बर 2024
तप कल्याणक
प्रातः 6.30 बजे - अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, यज्ञ
प्रातः 8.30 बजे - प्रवचन
दोपहर 1.00 बजे - पाणिग्रहण संस्कार, राज्य तिलक, भेंट समर्पण, असि आदि षट्कर्म, शिक्षा नीति, नीलांजना नृत्य, वैराग्य दीक्षाभिषेक, वनगमन, दीक्षा संस्कार विधि (मुनिश्री द्वारा)
सायं 6.00 बजे - आचार्य भक्ति, आरती, शास्त्र सभा सांस्कृतिक कार्यक्रम
शनिवार, 16 नवम्बर 2024
ज्ञान कल्याणक
प्रातः 6.30 बजे - अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, यज्ञ
प्रातः 8.30 बजे - प्रवचन मुनिश्री का
प्रातः 9.00 बजे - महामुनि की प्रथम आहार चर्या
दोपहर 1.00 बजे - ज्ञान कल्याणक की क्रियायें, प्राण-प्रतिष्ठा सूरिमंत्र के साथ समवशरण की रचना, गणधर रूप विराजमान मुनिश्री की देशना एवं पूजन
सायं 6.00 बजे - आचार्य भक्ति, आरती, शास्त्र सभा सांस्कृतिक कार्यक्रम
रविवार, 17 नवम्बर 2024
मोक्ष कल्याणक
प्रातः 6.30 बजे - अभिषेक, शांतिधारा, पूजन
प्रातः 7.15 बजे - कैलाश पर्वत पर अंतिम दर्शन, मोक्षगमन एवं निर्वाण कल्याणक की पूजन, विश्व शांति महायज्ञ
प्रातः 8.00 बजे - उपनयन संस्कार
प्रातः 9.00 बजे - प्रवचन, जुलूस और श्रीजी विराजमान
दोपहर 1.00 बजे - सम्मान एवं आभार व्यक्त भव्य पिच्छी परिवर्तन
सायं 4.30 बजे - सामूहिक वात्सल्य भोज
3100/-रु. में एकल इन्द्र/इन्द्राणी
5100/-रु. इन्द्र-इन्द्राणी
नोट :- उक्त राशि में वस्त्राभूषण, भोजन एवं सामग्री की न्योछावर सम्मलित है।
प्रमुख पात्र बनने के लिए समिति के सदस्यों से सम्पर्क करें।
प्रतिष्ठाचार्य
पं. धीरज जी शास्त्री
आप सभी इस मांगलिक कार्यक्रम में सादर आमंत्रित हैं। कार्यक्रम में भाग लेकर पुण्यार्जन करें।
आयोजक
अर्हं चातुर्मास समिति जयपुर-2024
परम शिरोमणी संरक्षक
श्री कंवरीलाल जी अशोक कुमार जी सुरेश कुमार जी विमल कुमार जी पाटनी
(आर.के.ग्रुप मदनगंज-किशनगढ़)
संरक्षक
श्री नन्द किशोर जी प्रमोद जी पहाडिया
श्री शीतल जी अनमोल जी कटारिया
श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
अध्यक्ष सुशील पहाड़िया 9928557000
वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाड़ा 9829561399
उपाध्यक्ष तेजकरण चौधरी 9828081698
संयुक्त मंत्री सीए मनोज कुमार जैन 9314503618
कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र कुमार जैन 9828152143
संगठन मंत्री अशोक कुमार सेठी 9828810828
सांस्कृतिक मंत्री जम्बू कुमार सोगाणी 7665014497
मंत्री राजेन्द्र कुमार सेठी 9314916778
कार्यकारिणी सदस्य : अरुण कुमार जैन (पाटोदी), शान्ति विजय गंगवाल, अशोक कुमार जैन (छाबड़ा), विजय जैन (झांझरी), राजेश काला (एडवोकेट), अशोक कुमार जैन (गोधा), जिनेन्द्र कुमार काला, भागचन्द जैन (पूर्व अध्यक्ष)
सहयोगी संस्थाएँ
श्री आदिनाथ महिला जागृति समिति, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
अध्यक्ष - सुशीला रॉवका, मंत्री - रश्मि सांगानेरिया, कोषाध्यक्ष - रेणु पाटनी
आदिनाथ युवा मंडल, मीरा मार्ग जयपुर विद्यासागर पाठशाला, मीरा मार्ग, जयपुर
देव-शास्त्र-गुरु का विनय करते हुए पत्रिका को पढ़कर अपने समीपस्थ जिनालय में उचित स्थान पर लगावें।
मुद्रक : राजू ग्राफिक आर्ट (संदीप शाह) जयपुर मो. 9829050791

मंद बुद्धि आवासीय विद्यालय में दी गई सेवा से 50 बच्चे लाभान्वित

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर आस्था एवं लायंस क्लब सुमेरपुर जवाई के संयुक्त तत्वावधान में सुमेरपुर में स्थापित मंद बुद्धि आवासीय विद्यालय के दिव्यांग बच्चो एवं व्यक्तियों को समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल,लायन अतुल पाटनी,पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन मधु पाटनी एवम अन्य भामाशाहों के सहयोग से आकर्षक एवं रंग बिरंगे वस्त्र के साथ सभी बच्चो को स्वादिष्ठ अल्पाहार लायंस क्लब्स इंटरनेशनल 3233 ई 2 के प्रांतीय सभापति लायन श्रवण राठी के आथित्य में कराया गया। क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के माध्यम से सामाजिक सरोकार के अंतर्गत भेजी गई सेवा से 50 बच्चे एवं व्यक्ति लाभान्वित हुए। लायंस क्लब सुमेरपुर जवाई के अध्यक्ष लायन हरीश अग्रवाल सचिव लायन मितेश गोयल,एमजेफ लायन सुरेश सिंघल ने स्वयं अपने हाथों से बच्चो को अल्पाहार करके नए वस्त्रों का वितरण के कार्य में सहयोग करते हुए जरूरतमंदो तक सेवा पहुंचाई।

आदिवासी अंचल में संगठन ने निराश्रित बच्चों संग मनाई दिवाली

प्रतापगढ़. शाबाश इंडिया। जिले के जैथलिया ग्राम पंचायत में राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं बाल विकास आयोग ट्रस्ट द्वारा आदिवासी अंचल के गोद लिए हुए निराश्रित बच्चों के साथ दिवाली उत्सव मनाया गया। इस दौरान बच्चों को मिठाई कपडे आदि का वितरण किया गया । संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविन्द जांगिड़ ने बताया संगठन ने इस वर्ष राज्य के विभिन्न जिलों से 11 निराश्रित बच्चो को उनकी बेहतर शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य के लिए गोद लिया था। उन बच्चो के साथ इस दिवाली के मोके पर सभी ने मिलकर बच्चो के चेहरों पर मुस्कान लाने का प्रयास किया ग्रामवासी भी इस दौरान वहां मौजूद रहे जांगिड़ ने बताया इस बच्चो के बेहतर भविष्य के लिए संगठन की और हर संभव प्रयास किया जायेगा जांगिड़ ने जयपुर के किरण बाल भारती स्कूल की प्रधानाचार्य डॉ. सरिता बेनीवाल का गोद लिए हुए बच्चो के लिए हर समय तत्पर रहने व सहयोग हेतु विशेष आभार जताया प्रदेश कार्यकारिणी से डॉ. निखिल जैन व दीपेश पंड्या ने भी अहम भुमिका निभाई इस दौरान कार्यक्रम में राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग में सदस्य ध्रुव कुमार चारण व आयोग के पूर्व सदस्य डॉ.शैलेन्द्र पंडया स्थानीय ग्राम पंचायत जैथलिया सरपंच कल्पना देवी उप सरपंच खेमसिंह मीणा ग्राम विकास अधिकारी संदीप टेलर जिला समन्वयक गायत्री सेवा संस्थान रामचन्द्र मेघवाल आदि मौजूद रहे संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पंकज कुमार जैन ने सगठन के सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

डॉक्टर त्रिवेदी द्वारा लिखित पुस्तिका मर्म चिकित्सा विज्ञान का लोकार्पण हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व हिंदू परिषद के अखिल भारतीय केंद्रीय मंत्री उमाशंकर शर्मा एवं सेवा भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री मूलचंद सोनी ने डॉक्टर पीयूष त्रिवेदी के एक्यूप्रेशर केंद्र पर चिकित्सा गतिविधियों का अवलोकन किया। साथ में डा प्रेम प्रकाश आयुर्वेद विशेषज्ञ मौजूद थे। उन्होंने डॉक्टर त्रिवेदी से चिकित्सा परामर्श भी लिया और डॉक्टर त्रिवेदी द्वारा लिखित पुस्तिका मर्म चिकित्सा विज्ञान का लोकार्पण भी किया। उमाशंकर और मूलचंद सोनी दोनों राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक हैं उन्होंने डॉक्टर पीयूष त्रिवेदी के सद्कार्यों की सराहना की।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

ज्ञान धन से बढ़कर कोई धन नहीं: युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी

एएमकेएम में ज्ञान पंचमी पर हुई सरस्वती आराधना

चैन्नई. शाबाश इंडिया। ज्ञान सोई हुई आत्मशक्ति को जगाता है। ज्ञान धन से बढ़कर कोई धन नहीं है। ज्ञान ही हमें सिद्ध गति में पहुंचाता है। बुधवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर के आनन्द दरबार में श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी महाराज ने ज्ञान पंचमी पर सरस्वती आराधना के मौके पर श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। सरस्वती आराधना में बड़ी संख्या में साधकों ने भाग लिया। उन्होंने कहा ज्ञान का प्रकाश और अज्ञान व मोह का त्याग हमारे एकांत सुख को देने वाले हैं। ज्ञान पंचमी जैन परम्परा में विशेष रूप से ज्ञान आराधना के लिए नियत तिथि है। इसके कई महत्वपूर्ण कारण है। जैन आगमों में ज्ञान के पांच भेद कहे गए। भव्य आत्मा वही होती है जिसका लक्ष्य पंचम ज्ञान को प्राप्त करना है। यह प्रत्येक भव्य आत्मा का लक्ष्य होता है और उसी लक्ष्य के लिए यह आराधना की जाती है। आज के दिन जिसने तप का संकल्प बनाया है, वह निश्चित रूप से इसकी विधि संपन्न करते हैं। इस साधना में भक्तामर स्तोत्र के दो श्लोकों का पाठ हमने किया है। ये स्तोत्र भीतर में रहे हुए अज्ञान को परमात्मा के सामने प्रकट करते हैं। उनसे ज्ञान की रश्मि प्राप्त करने का यह प्रयास है। परमात्मा की यह भक्ति भीतर के ज्ञान के चंद्र को उद्घाटित करने वाली है। उन्होंने कहा परमात्मा सर्वदर्शी है जिन्होंने अज्ञान का नाश कर पूर्ण ज्ञान प्रकट किया। हमारा ज्ञान अज्ञान से आवृत्त होते रहता है। परमात्मा के जैसा ज्ञान हमारे भीतर भी प्रकट हो, ऐसी आराधना की। परमात्मा का ज्ञान, उनकी प्रज्ञा सभी को अपने वैभव से संपन्न करने वाली है, ऐसा स्तवन हमने किया। आज जो ज्ञान आराधना का भाव लेकर आप उपस्थित हुए हैं, उसके प्रति उत्कृष्ट आस्था, श्रद्धा का अभिनंदन। उन्होंने कहा जो हमारे यहां सरस्वती का स्पष्ट रूप है, आज हमने उसकी आराधना की। वह सरस्वती, जो हमारे तीर्थंकरों द्वारा प्रतिपादित है, वह जिनवाणी के रूप में है। उन्होंने कहा हो सकता है जिस रूप में आपने सरस्वती की आराधना की, वह मिथ्यात्व का रुप है। लेकिन आगमों में उसका स्पष्ट रूप वर्णित कर पूवार्चार्य ने बताई। वह श्रुत देवता, वह जिनवाणी गुरु मुख पर विराजने वाली हंसिनी है। ऐसी सरस्वती की आराधना का मतलब है भक्ति। आज हमारे द्वारा सरस्वती की जाने- अनजाने बहुत विराधना हो रही है। हमें ज्ञान से ज्यादा मनोरंजन अच्छा लगने लगा है इसके कारण ज्ञानावरणीय कर्मबंध हो रहे हैं। उन्होंने कहा जो आत्मा के स्वरूप को प्रकट करने वाला है, वह श्रेष्ठ ज्ञान है। ज्ञान और ज्ञानी के प्रति सम्मान रखें। उनका कभी तिरस्कार न हो। हम सभी ज्ञान का सम्मान करते हुए जीवन में ज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ें। इस दौरान युवाचार्यश्री ने उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी आदि ठाणा के आगामी 2025 के जयनगर बैंगलुरू चातुर्मास की घोषणा की। जयनगर बैंगलुरू से गुरुभक्तगण युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ, वंदनार्थ व चातुर्मास की विनंती लेकर उपस्थित हुए। मुनिश्री हितेंद्र ऋषिजी ने बताया कि गुरुवार को खद्दरधारी गणेशीलालजी महाराज की जन्म जयंती एकासन व दया दिवस के रूप में मनाई जाएगी। वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ तमिलनाडु के मंत्री धमीचंद सिंघवी ने बताया कि आगामी 10 नवंबर रविवार को मध्याह्न 2.15 बजे से 4 बजें कृतज्ञता ज्ञापन दिवस मनाया जाएगा। राकेश विनायकिया ने सभा का संचालन किया। **-प्रवक्ता सुनिल चपलोत**

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

कुलचाराम, हैदराबाद. शाबाश इंडिया

कहने के लिए आदमी खुश है लेकिन खुश कहां है? कहने के लिये स्वस्थ है लेकिन स्वस्थ कहां है? कहने के लिये आदमी दानवीर है लेकिन कहां दानवीर है? कहने के लिये आदमी परोपकारी है लेकिन कहां परोपकारी है? कहने के लिये आदमी धर्मात्मा है लेकिन मन से पूछो तो?

कभी कभी ज़िन्दगी के कुछ क्षण निराशा भरे होते हैं, फिर मन कहता है अभी दुनिया खत्म नहीं हुई है। फिर मन में तरंग उठती है कि कल किसने देखा-? कल हो ना हो-? मैं निवेदन कर रहा हूं - अब देखने को बचा ही क्या है-? इन अनसुलझे प्रश्नों का कोई जवाब नहीं है, ना जवाबों से मन खुश होगा। ऐसे वातावरण में एक ही बात काम की है - हमारी प्राथमिकता अपने अन्तःकरण को स्थिर और आत्म बल को मजबूत करने की होनी चाहिए। यदि हमारा आत्म बल मजबूत होगा तो हम आपातकालीन स्थिति का बड़ी सूझ-बूझ के साथ सामना कर सकेंगे। आध्यात्मिक जीवन हमें सत्य और असत्य का बोध कराता है, हमारी मनो भावनाओं को सकारात्मक एवं सशक्त बनाता है। इसलिए रोज दर्पण में 3 से 5 मिनट अपनी आंखों से आँख मिलाओ, फिर देखो कैसा परिवर्तन आता है। कहने का मतलब है पहले हम स्वयं को देखें, फिर दुनिया को देखें, जानें - फिर जाने दें। तभी जीने के हौंसले बुलन्द हो सकेंगे, अन्यथा जी तो रहे हैं पर जी कहाँ पा रहे हैं-? कभी कभी जीवन में आई असफलता, हमारे अनेक सफलताओं के द्वार खोल देती है। जैसे - कोरोना में सब अपनी अपनी ज़िन्दगी जी रहे थे। कौन किसका साथ दे रहा था -?

सौ बात की एक बात: दर्पण में स्वयं को देखो और आत्म बल मजबूत करो,, क्योंकि संसार स्वार्थी है।

-नरेंद्र अजमेरा,
पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

महावीर इंटरनेशनल 'युवा' ब्यावर का सेवा कार्य

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। सेवा कार्यों की श्रंखला में महावीर इंटरनेशनल युवा, ब्यावर केंद्र के तत्वावधान में वीर विकास बंसल सर्राफ की सुपुत्री सुश्री ध्रुवी बंसल के जन्म दिवस के उपलक्ष मे श्री तिजारती गौशाला, ब्यावर (सतपुलिया के पास, मसूदा रोड) में हरे चारे एवं गुड से गौ सेवा की गई। कार्यक्रम के लाभार्थी वीर विकास बंसल वीर परिवार थे। कार्यक्रम में वीर पुलकित सिंघल, वीर योगेश बंसल सर्राफ, वीर जे पी शर्मा, वीर विकास बंसल, वीर लव नामा, वीर राजेश मंत्री, वीर निखिल जिंदल, वीर निखिल माहेश्वरी, वीर राजेश मुरारका, वीर अनुपम रूनीवाल, वीर अमित बंसल, वीर शैलेश शर्मा, गौसेवक सतीश गर्ग, अजय बंसल सर्राफ, आदि वीर सदस्यों एवं वीर समीक्षा बंसल, वीर पूजा बंसल, कुसुम बंसल ने गौ सेवा का आनंद लिया। सुश्री ध्रुवी बंसल का दुपट्टा पहना कर जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी गई। बड़े ही पुण्य के योग से एवं भाग्यशाली व्यक्तियों को गौ सेवा करने का अवसर प्राप्त होता है। वीर विकास बंसल की सुपुत्री सुश्री ध्रुवी बंसल के जन्म दिवस के उपलक्ष में बंसल परिवार द्वारा गौ सेवा कार्यक्रम के लिए बहुत-बहुत साधुवाद एवं हृदय से हार्दिक आभार।

हम नफरत नहीं प्रेम के आदि गर्व से कहते हम हिन्दुत्ववादी, जाति भेद मिटा एकता के सूत्र में जुड़ जाओ

बागेश्वरधाम सरकार का भीलवाड़ा की धरा से एलान हिन्दु एकता के लिए निकालेंगे पदयात्राएं

भीलवाड़ा की पावन धरा पर पधारे बागेश्वरधाम, हनुमन्त कथा के पहले ही दिन उमड़ा भक्तों का सैलाब

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

विख्यात आध्यात्मिक गुरू व कथावाचक बागेश्वरधाम सरकार धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री महाराज के मुखारबिंद से हनुमन्त कथा श्रवण करने ओर उनके दर्शन करने के जिस पल का धर्मनगरी भीलवाड़ा के श्रद्धालु भक्तगण लंबे समय से इन्तजार कर रहे थे वह पल बुधवार दोपहर साकार हो गया तो उत्साह व उल्लास की कोई सीमा नहीं रह गई। छोटी हरणी हनुमान टेकरी स्थित काठिया बाबा आश्रम के महन्त श्री बनवारीशरण काठियाबाबा के सानिध्य में श्री टेकरी के हनुमानजी कथा समिति के तत्वावधान में तेरापंथनगर के पास कुमुद विहार विस्तार में आरसीएम ग्राउंड कथास्थल पर पांच दिवसीय श्री हनुमन्त कथा के लिए दोपहर में बागेश्वरधाम सरकार जैसे ही मंच पर आए उनके दर्शन व एक झलक पाने के लिए हजारों श्रद्धालु अपनी जगह पर खड़े होकर अभिवादन करने लगे। बागेश्वरधाम सरकार ने भी मेवाड़ की पावन माटी को प्रणाम करते हुए हाथ हिला सबका अभिवादन को स्वीकार किया। व्यास पीठ पर विराजित होते ही पांडाल जय बालाजी महाराज की, जय सीताराम के साथ जय बागेश्वर सरकार के उद्घोष से गूंजायमान हो उठा। हनुमन्त कथा श्रवण कराते हुए बागेश्वरधाम सरकार धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री महाराज ने हिन्दू एकता व सनातन जागृति का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हनुमानजी महाराज के भेदभावरहित होकर सबको श्रीरामजी से जोड़ने के कार्य से प्रेरणा लेते हुए सनातन संस्कृति से छुआछूत जातपात के भेदभाव को मिटाना है। हिन्दू राष्ट्र बनाना है तो हर भेद मिटा प्रत्येक सनातनी को अपने गले लगाना होगा। व्यास पीठ पर आरती करने का हक सभी को है। भीलवाड़ा शहर के स्वच्छताकर्मी गुरूवार को व्यास पीठ की आरती करेंगे। उन्होंने बताया कि हिन्दू जागृति व सनातन एकता का संदेश देने के लिए 21 से 29 नवम्बर तक बागेश्वरधाम से ओरछा तक पदयात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद राजस्थान देश के विभिन्न क्षेत्रों से पदयात्राएं निकाल हिन्दू एकता व जागृति का कार्य किया जाएगा। बागेश्वरधाम सरकार ने कहा कि हमे अपनी बेटियों को लव जिहाद से बचाना है ओर नुह, मणिपुर व बांग्लादेश जैसे हाल नहीं बनाने हो तो हिन्दुओं को एकजुट होना पड़ेगा। जब बात धर्म पर आ जाए तो हिंदू होने पर गर्व करना पड़ेगा। हम नफरत के नहीं प्रेम के आदि है ओर गर्व से कहते हम हिन्दुत्ववादी है। उन्होंने आगामी प्रयागराज महाकुंभ में गैर सनातनी को दुकाने नहीं लगाने देने की बात दोहराते हुए कहा कि जब मक्का मदीना में हिन्दू ऐसा नहीं

कर सकता तो यहां उनका क्या काम है। अब हिन्दू कुम्भकर्णी नींद छोड़ जागृत हो रहा है ओर छेड़ेंगे तो छोड़ने वाला नहीं है। उन्होंने यह भी साफ किया कि उनका कोई राजनीतिक मकसद नहीं है ओर न ही वह किसी पार्टी के विरोधी या समर्थक है। वह सनातन को जोड़ने ओर हिन्दू राष्ट्र बनाने के अपने प्रण के लिए निरन्तर कार्य करते रहेंगे। बागेश्वरधाम सरकार ने कहा कि हनुमानजी महाराज अष्ट सिद्धी व नव निधि के दाता है। जो हनुमानजी की भक्ति करेंगा व सिद्धी व प्रसिद्धी दोनो पाएंगा। जब राम कथा सुनाते है तो हनुमानजी सुनते है लेकिन जब हनुमानजी की कथा सुनाते है तो सुनने सीताराम आते है। कथा के शुरू में छोटी हरणी हनुमान टेकरी स्थित काठिया बाबा आश्रम के महन्त श्री बनवारीशरण काठियाबाबा व अन्य संतों के साथ मंच पर पधारे बागेश्वरधाम सरकार के व्यास पीठ पर विराजित होने के बाद उनकी आरती करने वालों में आयोजन समिति के अध्यक्ष विधायक गोपाल खण्डेलवाल, संरक्षक त्रिलोकचंद छाबड़ा, प्रकाशचन्द छाबड़ा, महावीरसिंह चौधरी,कैलाशचन्द्र कोठारी, उमरावसिंह संचेती, सम्पतराज चपलोत, संयोजक आशीष पोरवाल, महासचिव श्यामसुंदर नौलखा, कोषाध्यक्ष राकेश दरक, उपाध्यक्ष कैलाशचन्द्र योगेश लड्ढा, चितवन व्यास, नवनीत सोमानी, राधेश्याम बहेड़िया, बनवारीलाल मुरारका, दिनेश नौलखा, मुकेश खण्डेलवाल, दिनेश बाहेती, सचिव हेमेन्द्र शर्मा, सहसचिव राजेन्द्र कचोलिया, संयुक्त सचिव दिलीप काष्ट, सचिन काबरा, राजकमल अजमेरा, धर्मराज खण्डेलवाल, कांतिलाल जैन, उज्जवल जैन आदि शामिल थे। सांसद दामोदर अग्रवाल, भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी ने भी बागेश्वरधाम सरकार का आशीर्वाद प्राप्त किया। पांच दिवसीय हनुमन्त कथा 10 नवम्बर तक प्रतिदिन दोपहर 1 से शाम 5 बजे तक होगी। आयोजन के तहत 8 नवम्बर को सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक बागेश्वरधाम सरकार का दिव्य दरबार लगेगा।

प्रसिद्धी पानी है तो रील में नहीं रियल में जीना शुरू करो

बागेश्वरधाम सरकार धीरेन्द्रकृष्ण शास्त्री महाराज ने युवाओं को इंगित करते हुए कहा कि रील की जिंदगी में रियल खोजना मुश्किल हो गया है। प्रसिद्धी पानी है तो रील में नहीं रियल में जीना शुरू करो। ढोंग की नहीं ढंग की जिंदगी जीना शुरू करो। हनुमानजी की भक्ति करते जाओं सिद्धियां मिलेगी। हनुमानजी ने आपको जान लिया तो पूरी दुनिया जान जाएगी। हनुमानजी से प्रेरणा लेकर विकल्प नहीं संकल्प चुनो। संकल्प पूर्ण नहीं होने तक लगे रहो सफलता मिलेगी। मीरा ने विकल्प नहीं संकल्प चुना इसीलिए सिद्धी मिली। भगवान से कुछ मांगने की जरूरत नहीं भगवान को ही मांग लो।

भीलवाड़ा में बागेश्वरधाम की कथा कराने का सपना हुआ पूरा

कथा के शुरू में काठिया बाबा आश्रम के महन्त श्री बनवारीशरण काठियाबाबा ने कहा कि बागेश्वरधाम सरकार का मेरे से खूब स्नेह है ओर मेरी भावना थी कि उनकी हनुमन्त कथा का भीलवाड़ा में आयोजन हो। काफी समय से इसके लिए प्रयास कर रहे थे ओर आज वह सपना पूरा हुआ है। उन्होंने कहा कि इस कथा को सफल बनाने के लिए पूरी टीम ने दिनरात मेहनत कर तैयारियां की है जिसके लिए सभी साधुवाद के पात्र है।

भजनों पर झूमते रहे भक्तगण, गूंजते रहे जय सीताराम के जयकारे

कथा के दौरान बागेश्वरधाम सरकार के हनुमानजी महाराज की भक्ति से ओतप्रोत भजनों पर श्रद्धालु भक्तगण दोनों हाथ उठा झूमते रहे ओर जयकारे गूंजते रहे। कई भक्तगण भजनों पर अपनी जगह खड़े होकर नृत्य करते रहे। उन्होंने सीताराम हनुमान, मोहन आओ तो सही गिरधारी आओ तो सही एकली खड़ी है मीराबाई जैसे भजन पेश किए तो हजारों भक्तगण झूमते नाचते रहे।

उद्घोधन में हरणी महादेव से लेकर टेकरी के बालाजी तक का जिक्र

बागेश्वरधाम सरकार महाराज ने भीलवाड़ा में पहली बार कथा करते हुए हरणी महादेव से लेकर पंचमुखी दरबार, हनुमान टेकरी आश्रम, चामुण्डा माता मंदिर तक का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप की इस धरती पर अश्व चेतक भी वीरता की पहचान है। उन्होंने सालासर बालाजी, मेहन्दीपुर बालाजी, श्रीनाथजी, सांवलिया सेठ सभी का स्मरण करते हुए जयकारे लगाए।

हमीरगढ़ हवाईपट्टी पर बागेश्वरधाम का किया भव्य स्वागत

हनुमन्त कथा श्रवण करने के लिए बुधवार सुबह बागेश्वरधाम सरकार धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री महाराज चार्टड विमान से हमीरगढ़ हवाई पट्टी पहुंचे तो उनका महंत बनवारीशरण काठियाबाबा के नेतृत्व में आयोजन समिति के सदस्यों ने स्वागत किया। स्वागत करने वालों में आयोजन समिति के संरक्षक प्रकाश छाबड़ा, अध्यक्ष गोपाल खण्डेलवाल, संयोजक आशीष पोरवाल सहित कई पदाधिकारी व भक्तगण शामिल थे।

-आशीष पोरवाल, संयोजक

तीन दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के दूसरे दिन घटयात्रा के पश्चात हुआ वेदी शुद्धि संस्कार

सौधर्म इंद्र सहित महोत्सव के सभी मुख्य पात्रों की निकाली शोभायात्रा

सीकर. शाबाश इंडिया

सीकर जिले के दूधवा ग्राम में मंगलवार से ''श्रीमद् जिनेन्द्र महार्चना भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव'' का त्रि-दिवसीय आयोजन के दूसरे दिन विभिन्न धार्मिक एवं मांगलिक कार्यक्रम हुए।प्रसारण प्रभारी विवेक पाटोदी ने बताया कि प्रातः नित्य नियम शांतिधारा एवं दैनिक पूजन पश्चात पांडाल परिसर से नवनिर्मित मंदिर प्रांगण तक भव्य शोभायात्रा एवं घटयात्रा निकाली गई। जिसमें मुख्य पात्रों सहित हाथों में कलश लिए महिलाएं एवं भजनों पर झूमते सैकड़ों धर्मावलंबी शामिल थे।आयोजन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष ताराचंद छाबड़ा व मंत्री धर्मचंद ठोल्या ने बताया कि घटयात्रा के मंदिर प्रांगण पहुंचने के पश्चात प्रतिष्ठाचार्य पंडित डॉ. सनत कुमार शास्त्री एवं सह प्रतिष्ठाचार्य आशीष जैन शास्त्री के मार्गदर्शन में वेदी शुद्धि संस्कार हुआ । मुख्य निर्माण सहित नूतन वेदी के पुण्यार्जन का सौभाग्य शांति कुमार , अनिल कुमार, प्रकाशचंद छाबड़ा (सी.के.) परिवार को प्राप्त हुआ। मुख्य निर्माण में सहयोग भंवरलाल, शांतिलाल, नितिन कुमार , अंकित कुमार छाबड़ा गुवाहाटी इम्फाल परिवार को प्राप्त हुआ।आयोजन समिति के सुनील कुमार ठोल्या ने बताया कि नवनिर्मित मंदिर के शिखरबंद निर्माण का सौभाग्य भंवरलाल पदम चंद, दुलीचंद , ताराचंद , शांतिलाल छाबड़ा परिवार को प्राप्त हुआ। आयोजन स्थल पर इसके पश्चात यागमंडल विधान आयोजित किया गया। सांयकाल महाआरती पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

आज छठ महापर्व पर अस्त होते हुए सूर्य को अर्घ दिया जाएगा

मुरैना (मनोज जैन नायक)

महापर्व छठ सूर्य देव को समर्पित है। छठ का पर्व पूरे चार दिनों तक चलता है। छठ पूजा के चार दिनों तक भगवान सूर्य देव की उपासना की जाती है। छठ का व्रत संतान की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और परिवार की खुशहाली के लिए किया जाता है। वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य डॉ हुकुमचंद जैन ने बताया कि छठ पूजा मुख्य रूप से बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और नेपाल के मिथिलांचल क्षेत्र में मनाई जाती है। छठ पूजा के पहले दिन नहाय खाय होता है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान कर सात्विक भोजन खाया जाता है। छठ का व्रत काफी कठिन माना जाता है। छठ के चार दिनों का अलग-अलग महत्व होता है। छठ के दूसरे दिन खरना होता है। इस दिन सूर्योदय से सूर्यास्त तक निर्जला व्रत किया जाता है। सूर्यास्त के बाद सूर्यदेव को प्रसाद अर्पित करने के बाद गुड़ वाली खीर खाई जाती है। इसी दिन से महिलाओं का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू होता है। तीसरे दिन यानी 07 नवंबर गुरुवार को डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जायेगा। वहीं छठ पूजा के चौथे आखरी दिन 08 नवंबर शुक्रवार के दिन जल्दी प्रातः के समय उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया जाएगा। जैन ने कहा इसे उषा अर्घ्य के नाम से जाना जाता है। पंचांग के अनुसार इस बार षष्ठी तिथि का आरंभ 06 नवंबर बुधवार को मध्यरात्रि 12 बजकर 41 मिनट पर होगा। षष्ठी तिथि का समापन 07 नवंबर गुरुवार को मध्यरात्रि 12 बजकर 34 मिनट पर होगा। 07 नवंबर गुरुवार यानी छठ पूजा वृतार्थी सूर्यास्त के समय नदी या तालाब में अर्घ देंगे यह छठ पूजा का सबसे महत्वत पूर्ण दिन है। सूर्यास्त शाम 7 बजकर 32 मिनट पर होगा। 08 नवंबर शुक्रवार को प्रातः वृतार्थी उगते सूर्य को अर्घ देकर अपना व्रत तोड़ेंगे और प्रसाद वितरण करेंगे।

छठ पूजा का महत्व: छठ पूजा को सूर्य षष्ठी, छठ, छठी, छठ पर्व, डाला पूजा और डाला छठ के नाम से भी जाना जाता है। छठ पूजा के दौरान सूर्य देव की पूजा करने से सुख, समृद्धि, सफलता और निरोगी शरीर की प्राप्ति होती है। छठ का व्रत करने से संतान दीर्घायु होते हैं और परिवार में संपन्नता और खुशहाली बनी रहती है।

ग्राम दूजोद के समवशरण महामण्डल विधान के आयोजन

सीकर. शाबाश इंडिया

सीकर जिले के दूजोद ग्राम में स्थित जैन मन्दिर में चल रहे श्री समवशरण महामण्डल विधान के चौथे दिन प्रातः अभिषेक शांतिधारा व विधान पूजन सहित विभिन्न धार्मिक व मांगलिक कार्यक्रम आयोजित हुए । मीडिया प्रभारी विवेक पाटोदी ने बताया कि प्रातः स्वर्ण कलश अभिषेक व शांतिधारा का सौभाग्य व सांयकालीन महाआरती का सौभाग्य इंफाल प्रवासी सरला विनोद कुमार सेठी परिवार को प्राप्त हुआ ।आयोजन समिति के नथमल रारा व सुशील रारा ने बताया कि आयोजन के दौरान देश के विभिन्न स्थानों से अपने गांव की जमी पर आकर जहां एक ओर सभी परिवार पुरानी यादों में खोकर खुश हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर युवा पीढ़ी भी अपने परिवार के इतिहास को जानकार गौरवंतित हो रहे हैं । पूरा गांव झिलमिल रोशनी में जगमगा रहा है। आयोजन समिति के नवीन रारा ने बताया कि आयोजन में महा यज्ञ नायक कमल बाकलीवाल गुवाहाटी परिवार, ईशान इंद्र मणि कुमार बाकलीवाल सूरत परिवार , सानत इंद्र महावीर प्रसाद रारा दीमापुर परिवार व माहेन्द्र इंद्र जयकुमार बाकलीवाल दूजोद परिवार को सौभाग्य मिला ।

कल से महामंडल विधान का भव्य शुभारंभ

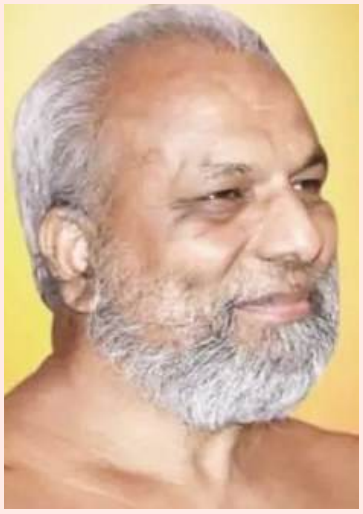

जिनविंव की विशाल शोभायात्रा 108 रथों के साथ प्रारंभ होगी यह ऐतिहासिक विशाल रथयात्रा में सोना चांदी के पालिस बाले विशाल रथ भी है जो कि अजमेर राजस्थान मध्यप्रदेश उत्तर प्रदेश सहित भारत के विभिन्न राज्यों से आऐंगे अतःधर्म प्रभावना समिति के सभी सदस्यों ने समाज जन से निवेदन करती है कि सभी कार्यक्रम में समय से भाग लें।

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर । 108 मंडल के साथ संस्कृत भाषा में मुनिप्रमाणसागर महाराज,मुनि निर्वेगसागर महाराज मुनि संधान सागर महाराज स संघ के मुखारविंद से सिद्धचक्र महामंडल विधान की शुरूआत होगी धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि मोहता भवन से 5:45 पर मंगलाचरण एवं जी का अभिषेक के साथ6:30 बजे से मोहताभवन रैसकोर्स रोड़ से घटयात्रा प्रारंभ होगी जिसमें जी के साथ मुनिसंघ एवं सौभाग्यवती स्त्रियां सिर पर मंगल कलश लेकर चलेंगी एवं पुरुषवर्ग स्वेत वस्त्रों में रहेंगे। उपरोक्त घटयात्रा विजयनगर चौराहा मंगल सिटी पुलिस कोतवाली के सामने बने विशाल पांडाल में पहुंचेगी एवं 7:30 बजे मंडप उदघाटन ध्वजारोहण के साथ विधानाचार्य अशोक भैयाजी अभय भैयाजी के निर्दशन में विधान प्रारंभ हो जाऐगा। जो कि लगातार 14 नवम्वर तक चलेगा 15 नवम्वर को वृहद शांतिधारा के पश्चात सभी 108

सऊदी अरब की कंपनियों ने राजस्थान के स्वास्थ्य, आईटी और आईटीईएस, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग, ऑटोमोबाइल और स्पेयर पार्ट्स जैसे क्षेत्रों में निवेश में रुचि दिखाई

उद्योग और वाणिज्य राज्य मंत्री के.के विश्नोई के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने सेडको कैपिटल, अल मुबैदीब ग्रुप, जेद्दा चैंबर, बिनजागर ग्रुप, बसम ग्रुप और अब्दुल्ला हाशिम कंपनी के अधिकारियों के साथ मुलाकात की

जयपुर. कासं

सऊदी अरब की यात्रा के दूसरे चरण के तहत आज उद्योग और वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने जेद्दा में सेडको कैपिटल, अल मुबैदीब ग्रुप, जेद्दा चैंबर, बिनजागर ग्रुप, बसम ग्रुप और अब्दुल्ला हाशिम कंपनी से मुलाकात की और उन्हें प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। इन मुलाकातों के दौरान इन सभी कंपनियों ने राजस्थान के स्वास्थ्य, आईटी और आईटीईएस, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग, ऑटोमोबाइल और स्पेयर पार्ट्स क्षेत्रों में निवेश के प्रति रुचि दिखायी। इस दौरान, इन कंपनियों को 9-10-11 दिसंबर को जयपुर में आयोजित ''राइजिंग राजस्थान'' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 में भाग लेने के लिए भी आमंत्रित किया गया। राज्य सरकार के इस उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने आज की सबसे पहली मुलाकात सऊदी अरब की प्रमुख एसेट मैनेजमेंट और निवेश सलाहकार फर्म एसईडीको कैपिटल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मुलाकात की। इस बैठक के दौरान, एसईडीको कैपिटल के अधिकारियों ने राजस्थान में अपना कारोबार स्थापित करने और राज्य के स्वास्थ्य और आईटी

क्षेत्रों में मौजूद अवसरों का पता लगाने के प्रति रुचि दिखाई। इसके अलावा, विश्नोई के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में निवेश के इच्छुक अल मुबैदीब ग्रुप, बिनजागर ग्रुप और बसम ग्रुप के प्रतिनिधियों के साथ भी मुलाकात की और उन्हें राजस्थान में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। इस मुलाकात के दौरान, सऊदी अरब की इन तीन प्रमुख व्यापारिक समूहों के अधिकारियों ने राज्य के कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक एवं वेयरहाउसिंग क्षेत्रों में रुचि दिखाई। बसम समूह ने भी राज्य के आईटी एवं आईटीईएस क्षेत्र में रुचि दिखाई।